OM 18_Page 1 and 2 01-12-2014 20:05 Page 2

ओम शान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष - 15 अंक-18 दिसंबर-II, 2014 पाक्षिक माउण्ट आबू ₹ 8.00

शक्तिस्वरूपा नारी द्वारा ही विश्व परिवर्तन संभव

अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका दादी हृदयमोहिनी, महामहिम राज्यपाल बलरामदास टंडन का कार्यक्रम में पहुँचने के उपरांत अभिनंदन करते हुए।

शांतिवन। भारत देश नारी की भूमिका को देवी की उपाधि देता रहा है। इस भूमि के संस्कार के अंदर जगत ने नारी को सर्वोपरि माना है, जिससे संसार चलता है और परिवार चलता है। नारी के अंदर इतनी शक्ति है जोकि समाज और परिवार को कार्य करने की प्रेरणा देती है, तो किसी मानव को गलत रास्ते पर जाने से रोक भी सकती है। उक्त उद्गार ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए छत्तीसगढ़ के राज्यपाल बलरामदास टंडन ने व्यक्त किये। उन्होंने कहा, मैं देखता हूँ कि ब्रह्माकुमारीज़ में बहनों ने जिस तरह से विश्व परिवर्तन का जिम्मा उठा रखा है वह आज के लोगों के लिए नज़ीर की तरह है। संस्था की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका दादी हृदयमोहिनी ने ब्रह्माकुमारीज़ की समर्पित बहनों के प्रति अपनी दिली खुशी व्यक्त की। राज्यपाल द्वारा नारी शक्ति की महिमा को भी उन्होंने बहुत सराहा और कहा कि हमारे पिता परमात्मा, जिन्हें हम प्यार से शिवबाबा कहते हैं, उनका भी यही कहना है कि नारी शक्ति द्वारा ही विश्व परिवर्तन संभव है। 'टाइम टू रिसीव गॉड्स पॉवर फॉर ग्रेट ट्रांसफॉर्मेशन' के त्रिदिवसीय मल्टी डिसीप्लिनरी कॉन्फ्रेन्स-कल्चरल फेस्टिवल में पाँच हज़ार से अधिक विभिन्न प्रोफेशन से जुड़े लोगों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में नेपाल तथा रशिया की कुमारियों द्वारा रंगारंग प्रस्तुति

त्रिदिवसीय मल्टी डिसीप्लिनरी सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को अति सुंदर रशिया व नेपाल के डिवाईन ग्रुप की कुमारियों ने हिन्दी में 'मेरा भारत महान बनेगा .... गीत के साथ नृत्य प्रस्तुत किया तब देश -विदेश से आये मेहमानों नें दांतो तले अंगुली दबा ली। इसके अलावा भी उन्होंने आध्यात्मिक व देशभक्ति गीतों पर मन-मोहक प्रस्तुतियाँ देकर सभी आगंतुकों को भावातीत किया। सभी ने नृत्य व गीतों का भरपूर आनंद लिया और खुले दिल से प्रशंसा की।

माण्उट आबू मुख्यालय का किया अवलोकन

छत्तीसगढ़ राज्यपाल बलराम दास टंडन ने ब्रह्माकुमारीज़ के अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय पाण्डव भवन परिसर का अवलोकन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि आत्मिक शक्तियों के क्षीण होने से ही सामाजिक समस्याओं में वृद्धि हो रही है। उन्होंने देश के सुख, समृद्धि व खुशहाली की कामना करते हुए कहा कि वर्तमान परिवेश में बढ़ती भौतिकता में व्यस्त होता मनुष्य आंतरिक शांति से दूर हो रहा है। वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका ब्र.कु. शीलू, ग्लोबल अस्पताल निदेशक डॉ. प्रताप मिड्ढा ने उनका स्वागत किया। इसके पश्चात् राज्यपाल ने संगठन की गतिविधियों को बारीकी से देखते हुए ध्यान-योग कक्ष का अवलोकन करते हुए शांति की अनुभूति की और प्रजापिता ब्रह्माबाबा की तपस्यास्थली कुटिया, संगठन के इतिहास की यादगार हिस्ट्रीहॉल का अवलोकन किया।

ब्र.कु. शीलू बहन, महामहिम राज्यपाल को मुख्यालय का अवलोकन कराते हुए।

सकारात्मक जीवन द्वारा ही सुरक्षाकर्मियों के जीवन की रक्षा

ओ.आर.सी.-गुड़गांव। इस सुंदर परिसर में प्रवेश करते ही मुझे बहुत ही शांति और शक्ति का अनुभव हुआ। मुझे यहाँ आकर महसूस हुआ कि हम अपनी ज़िम्मेवारियां निभाते हुए भी किस प्रकार से सकारात्मक जीवन जी सकते हैं। मैं यहाँ से जो कुछ भी सीखकर जाऊँगा, उसे बाहर जाकर दूसरों को भी सिखाने का प्रयास करुँगा। ये कहना था पूर्व एयर मार्शल दलजीत सिंह का, जो उन्होंने ब्रह्माकुमारीज़ के सुरक्षा प्रभाग द्वारा 'रिट्रीट फॉर रिज़ुवनेटिंग द सेल्फ' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किये। साथ ही साथ वर्तमान समय सुरक्षा क्षेत्र से जुड़े लोगों के जीवन में आध्यात्मिकता की बहुत आवश्यकता है, क्योंकि आज की परिस्थितियों में उन्हें अनेक प्रकार के तनाव से गुज़रना पड़ता है।

कमांडर हर्षद दतार का कहना था कि मुझे बहुत खुशी हुई कि जो लोग आज देश की सुरक्षा में लगे हुए हैं, उनकी सुरक्षा के लिए भी एक ऐसा कार्यक्रम रखा गया। इस कार्यक्रम में सेना, अर्धसेना व पुलिस के अनेक अधिकारियों ने भाग लिया।

ब्रिगेडियर नवनीत कुमार ने कहा कि आत्मिक ज्ञान के आधार पर ही हम अपने जीवन को बेहतर से बेहतर बना सकते हैं। ओ.आर.सी. की निदेशिका ब्र.कु. आशा ने कहा कि हम बाहर की सुरक्षा तो करते हैं, लेकिन क्या कभी हम स्वयं के भीतर की सुरक्षा की तरफ भी ध्यान देते हैं। बाहर के शत्रुओं को तो हम पहचान लेते हैं परन्तु स्वयं के भीतर के शत्रुओं को पहचानने के लिए हमें एकान्त की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आज प्रत्येक के जीवन में कई ऐसी बुराइयां हैं जो स्वयं के ही व्यक्तित्व को कमज़ोर करती जा रही हैं। जो स्वयं की सुरक्षा अच्छी तरह से कर सकता है, वो ही दूसरों की भी सुरक्षा कर सकता है। ब्रह्माकुमारीज़ के सुरक्षा प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु. शुक्ला ने कहा कि जीवन एक ईश्वरीय वरदान है, सद्गुण इसकी पहचान है और नम्रता इसका कवच है। जब कोई युद्ध में जाते हैं तो कवच पहनकर जाते हैं, ठीक इसी प्रकार हमें स्वयं की सुरक्षा के लिए आत्मिक बल ही हमारा कवच है। अच्छे संस्कारों व अच्छे विचारों से जो स्वयं की रक्षा करता है, वही दूसरों की रक्षा भी आसानी से कर सकता है। पूर्व स्क्वार्डन लीडर ब्र.कु. अशोक गाबा ने सुरक्षा प्रभाग के द्वारा की जा रही सेवाओं की जानकारी दी।

कार्यक्रम का दीप प्रज्वलन कर उद्घाटन करते हुए एयर मार्शल दलजीत सिंह, कमांडर हर्षद दतार, ब्र.कु. आशा, ब्र.कु. शुक्ला व अन्य